

# डॉ. रॉबर्ट सी. न्यूमैन, सिनॉटिक गॉस्पेल, व्याख्यान 6, व्याख्या यीशु के दृष्टांत

© 2024 रॉबर्ट न्यूमैन और टेड हिल्डेब्रांट

ठीक है, हम यहाँ सिनॉटिक गॉस्पेल कोर्स देख रहे हैं। अब तक, हमने ऐतिहासिक यीशु, यहूदी पृष्ठभूमि, व्याख्या और आख्यानों का परिचय, लेखकत्व और डेटा सिनॉटिक्स को देखा है, और अब हम पाँचवें भाग, दृष्टांतों, या जैसा कि मैं इसे यहाँ कहता हूँ, यीशु के दृष्टांतों की व्याख्या, पर शुरू करने वाले हैं।

दृष्टांतों से संबंधित कुछ परिभाषाओं से शुरुआत की। दृष्टांत क्या है, इस बारे में कुछ भ्रम हो सकता है। चूँकि अंग्रेज़ी साहित्य में इस्तेमाल की जाने वाली परिभाषा ग्रीक न्यू टेस्टामेंट में दृष्टांत शब्द के इस्तेमाल की सीमा के समान नहीं है।

इसके अलावा, न्यू टेस्टामेंट दृष्टांत अध्ययन लगभग एक सदी से गड़बड़ा गया है क्योंकि टिप्पणीकारों ने जूलिचर के इस दावे का गलत तरीके से पालन किया कि दृष्टांत रूपकों से काफी अलग हैं और हमेशा केवल एक ही बात कहते हैं।

तो, आइए एक नज़र डालते हैं। यदि आप एक मानक अंग्रेज़ी शब्दकोश में देखें, तो शब्दकोश की परिभाषा कुछ इस तरह होगी: एक दृष्टांत एक छोटी काल्पनिक कहानी है जो एक नैतिक दृष्टिकोण या धार्मिक सिद्धांत को दर्शाती है। यह एक बुरी परिभाषा नहीं है। बेशक, एक दृष्टांत का काल्पनिक होना जरूरी नहीं है, लेकिन हमारे पास 2,000 साल बाद यह बताने का कोई तरीका नहीं है कि यीशु के सभी दृष्टांत काल्पनिक हैं या नहीं।

हालाँकि, यह कि दृष्टांत एक काल्पनिक कहानी है, बाइबिल की अचूकता की शिक्षा पर कोई छाया नहीं डालती है। दृष्टांत की साहित्यिक परिभाषा यह है कि दृष्टांत एक विस्तारित उपमा है, जबकि रूपक एक विस्तारित रूपक है। यह परिभाषा हमें तकनीकी प्रश्नों में ले जाती है कि उपमा क्या है और यह रूपक से कैसे भिन्न है।

इसके अलावा, यह एक ऐसा भेद करता है जिसे यीशु और नए नियम के लेखक नहीं करते। नए नियम में प्रयुक्त दृष्टांत शब्द में रूपक और कई अन्य आलंकारिक शैलियाँ शामिल हैं। आपकी जानकारी के लिए, हम उपमा, रूपक आदि की निम्नलिखित परिभाषाएँ देते हैं।

उपमा एक स्पष्ट तुलना है जिसमें as या like जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए, भगवान एक राजा की तरह है। रूपक एक अंतर्निहित तुलना है जिसमें as या like जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाता है।

उदाहरण के लिए, भगवान एक राजा है। दृष्टांत एक उपमा है जिसे कहानी में विस्तारित किया जाता है और दिखाया जाता है कि कैसे कोई वस्तु, व्यक्ति, आदि कहानी की तरह है या कहानी के किसी तत्व की तरह है।

रूपक एक ऐसी कहानी है जिसमें प्रत्येक अवधारणा के लिए कहानी में व्यक्तियों या तत्वों के माध्यम से अवधारणाओं और ऐसी ही अन्य चीजों को दर्शाया जाता है। इसलिए, जॉन बन्सन द्वारा लिखित पिलग्रिम्स प्रोग्रेस संभवतः अंग्रेजी रूपकों में सबसे प्रसिद्ध है जिसमें मुख्य पात्र को पिलग्रिम कहा जाता है। प्रगति, हम आजकल आम तौर पर नहीं समझते क्योंकि इसका अर्थ बदल गया है, लेकिन प्रगति एक यात्रा है।

तो, यह तीर्थयात्री की तीर्थयात्रा या तीर्थयात्री की स्वर्ग यात्रा आदि है। आप इन सभी पात्रों को विभिन्न प्रकार के नामों के साथ देखते हैं, और वे विभिन्न प्रकार की समस्याओं और प्रोत्साहनों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिनका सामना तीर्थयात्री अपनी यात्रा में करता है और जिनका सामना ईसाई अपनी आध्यात्मिक यात्रा में भी करेंगे। दृष्टांत शब्द का नया नियम में उपयोग।

चित्रण की एक व्यापक शैली में दृष्टांत, रूपक, समानता और नमूना दृष्टांत के साथ-साथ कहावत और विरोधाभास शामिल हैं। हमने पहले ही दृष्टांत और रूपक को दूसरी परिभाषा में वाक्य में इस्तेमाल के रूप में परिभाषित किया है, साहित्यिक परिभाषा। यहाँ अन्य शब्दों का क्या मतलब है? समानता एक ऐसी चीज है जो एक एकल उपमा से लंबी होती है लेकिन वास्तव में कहानी बनने के लिए पर्याप्त लंबी नहीं होती।

यीशु द्वारा बताई गई उस दृष्टांत के बारे में सोचें जो एक महिला को बताती है जो आटे में खमीर मिलाती है जब तक कि वह पूरी तरह से खमीर न बन जाए। इसमें ज़्यादा कुछ नहीं है, ठीक है? आटा गूंथने में उसे कुछ समय लग सकता है, आदि, लेकिन अगर आप चाहें तो यह एक एक्शन से भरी कहानी नहीं है। यह लगभग सिर्फ एक वाक्य है।

या राई के बीज का दृष्टांत, जैसे बीज बढ़ता है और इतना बड़ा हो जाता है कि पक्षी शाखाओं पर आराम कर सकें। एक नमूना दृष्टांत। हमने पहले ही संक्षेप में उल्लेख किया था जब हमने लूका की विशेषताओं पर चर्चा की थी, एक कहानी जो सांसारिक कहानी को स्वर्गीय अर्थ देने के बजाय इसका एक नमूना देकर कुछ आध्यात्मिक सत्य को दर्शाती है, जैसा कि दृष्टांतों में अधिक आम तौर पर होता है।

बोने वाले और मिट्टी का दृष्टांत स्वर्गीय अर्थ वाले बीज बोने और सुसमाचार के विविध स्वागत के बारे में एक सांसारिक कहानी है। इसके विपरीत, एक नमूना दृष्टांत एक अच्छा सामरी है, जो एक पड़ोसी होने का क्या मतलब है इसका एक नमूना देता है। अब हम थोड़ा सोचना चाहते हैं कि दृष्टांत कैसे काम करते हैं।

हम बहुत सी बातें कह सकते हैं, लेकिन हम इसे यहाँ दो बातों के संदर्भ में बनाने जा रहे हैं। सबसे पहले, दृष्टांत कहानियाँ हैं। उन्हें दृष्टांत के निर्माता द्वारा कलात्मक रूप से दिलचस्प बनाने के लिए डिज़ाइन किया जाता है और कहानी कहने के कई मानक उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

उदाहरण के लिए, सेमिया में एक लेख में अमोस वाइल्डर ने दृष्टांतों को कहानियों के रूप में चित्रित किया है, क्योंकि वे संक्षिप्त हैं। नए नियम में सबसे लंबे दृष्टांत शायद द प्रोडिगल सन या

कुछ इसी तरह के हैं। इसमें 20 छंद या कुछ इसी तरह के हैं, इसलिए यह बाइबल का एक पृष्ठ घेरता है।

एक छोटी कहानी आम तौर पर कम से कम आधा दर्जन पृष्ठों की होती है, इसलिए यह बहुत संक्षिप्त हो सकती है। यूनिफाइड हर जगह नहीं चलती और इसमें आमतौर पर कई कथानक या उस तरह की कोई चीज़ नहीं होती - अभिनेताओं की संख्या सीमित होती है।

वाइल्डर दो, मुख्य रूप से दो मुख्य अभिनेताओं के नियम का उल्लेख करते हैं। सभी दृष्टांत दो मुख्य अभिनेताओं को संतुष्ट नहीं करते हैं, लेकिन उनमें से बहुत से लोग ऐसा करते हैं। उनमें से कुछ लोग उड़ाऊ पुत्र के दृष्टांत के बारे में सोचते हैं, उदाहरण के लिए।

आपके दो मुख्य पात्र पिता और पुत्र हैं, लेकिन फिर दूसरा भाई है, आदि। तो, वहाँ थोड़ा और चल रहा है। वे आम तौर पर प्रत्यक्ष प्रवचन द्वारा विशेषता रखते हैं।

कहानी को जीवंत बनाने के लिए, आपने अलग-अलग पात्रों को बोलते हुए दिखाया है, बजाय इसके कि कथावाचक यह बताए कि उन्होंने क्या कहा या इस तरह की कोई और बात। एक क्रमिक विकास। यह शुरू से अंत तक चलता है, बिना इधर-उधर कुछ साइड ट्रैक लिए, ताकि अन्य बातों को समझाया जा सके।

और यह शायद आंशिक रूप से उनके संक्षिप्त और एकीकृत होने का परिणाम है, जिसमें कई कथानक नहीं हैं। इसके अलावा एक नियम भी है जिसे तीन का नियम कहा जाता है, और वह यह है कि आमतौर पर, दृष्टांत कुछ चीजों के लिए तीन मर्दों से आगे नहीं जाते हैं ताकि चीजों को बहुत अधिक जटिल न बनाया जा सके। इसलिए, उदाहरण के लिए, पाउंड के दृष्टांत में, शासक जो राज्य वापसी प्राप्त करने के लिए दूर देश जा रहा है, अपने प्रत्येक सेवक को एक पाउंड चांदी देता है।

तो, उनमें से दस हैं, लेकिन जब आप वापस आते हैं तो आपको दस का हिसाब नहीं मिलता। आपको उनमें से तीन का हिसाब मिलता है। एक आदमी ने उससे पाँच पाउंड कमाए, दूसरे ने उससे दो पाउंड कमाए, और एक ने सामान को ज़मीन में छिपा दिया।

इसलिए, तीन का नियम एक सामान्य विशेषता है जो किसी चीज़ को यादगार बनाने और उसे बहुत जटिल न बनाने के लिए है। दोहराव। अक्सर किसी चीज़ में मौखिक दोहराव या विषयगत दोहराव होता है।

फिर से, इसे याद रखना आसान बनाने में मदद करने के लिए। यह न केवल दृष्टांतों की विशेषता है, बल्कि परियों की कहानियों या कुछ और जैसी अन्य प्रकार की कहानी कहने की तकनीकों की भी विशेषता है। तीन भाई हैं और एक भाई जाता है और यह और यह और यह और यह करता है, और अंत में, यह आपदा होती है।

और फिर एक दूसरा भाई है, और वह यह और यह और यह और यह कहता है, और आपको वही शब्द मिलते हैं जो पिछले वाले में इस्तेमाल किए गए थे, आदि। द्विआधारी विरोध। काला बनाम सफेद।

ये किसी कठिन मनोवैज्ञानिक समस्या की चर्चा नहीं है, जहाँ आपको ये सभी दूसर और बारीकियाँ और उस तरह की चीज़ें मिलेंगी। लेकिन बहुत आम तौर पर, बहुत अच्छा, बहुत बुरा। हमेशा नहीं।

फिर से, उड़ाऊ पुत्र का दृष्टांत थोड़ा सूक्ष्म है, जिसमें आपके पास नौ सिक्के हैं जो खोये नहीं हैं और खोए हुए सिक्के में एक सिक्का खो गया है। भेड़ में, आपके पास एक भेड़ खोई हुई है और 99 भेड़ें नहीं खोई हैं। उड़ाऊ पुत्र में, आप आश्चर्य करते हैं कि क्या दोनों बेटे कुछ हद तक खोए हुए नहीं हैं और ऐसा ही कुछ।

लेकिन आम तौर पर, बहुत मजबूत विरोध होता है, विभिन्न पात्रों या घटनाओं या उस तरह की चीज़ों के बीच एक बहुत मजबूत अंतर होता है। एक अंतिम तनाव है कि आपके पास अक्सर चीज़ों का अंतिम समाधान होता है जो कहानी के अंत में अचानक दिखाई देता है। अक्सर, उलटफेर से समाधान होता है।

यह लाज़र और अमीर आदमी की कहानी के संबंध में बहुत मजबूती से दिखाई देता है। अमीर आदमी अब भीख मांग रहा है, और गरीब भिखारी अब दावत उड़ा रहा है, अगर आप चाहें तो - इस तरह की बातें।

और वे आम तौर पर दो स्तर के होते हैं। वे आम तौर पर सांसारिक कहानी, स्वर्गीय-अर्थ वाली चीज़ होते हैं। जैसा कि मैंने कहा, उनमें से एकमात्र वास्तविक अपवाद ल्यूक के ये छह दृष्टांत हैं, जो नमूना दृष्टांत हैं।

तो, दृष्टांत कहानियाँ हैं। और इसलिए, उनके पास एक सघन संरचना है और ये विशिष्ट चीज़ें हैं जो यह देखना आसान बनाती हैं कि उस अर्थ में क्या हो रहा है। दृष्टांत सादृश्य हैं।

इस पर मैंने जो सबसे अच्छा काम देखा है, वह जॉन साइडर की किताब इंटरप्रिटिंग द पैरेबल्स है, जिसे 1995 में ज़ॉडरवन द्वारा प्रकाशित किया गया था। वह कहते हैं, मूल रूप से, एक दृष्टांत सांसारिक कहानी और उसकी विभिन्न विशेषताओं के बीच स्वर्गीय अर्थ और उसकी विभिन्न विशेषताओं के बीच एक सादृश्य बनाता है। और साहित्यिक अध्ययनों में मौखिक सादृश्यों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली शब्दावली में, अगर आपको यह पसंद है, तो दृष्टांत शब्द का सार है, और अगर आपको पसंद है तो वह स्वर्गीय अर्थ है।

वाहन, वह साधन जिसके द्वारा उस भाव को व्यक्त किया जाता है, और यही सांसारिक कहानी है। और आप में से जो लोग जटिल शब्दावली में उलझ जाते हैं, उनके लिए बता दें कि वाहन, जिसे हम ऑटोमोबाइल या साइकिल या मोटरसाइकिल के रूप में सोचते हैं, यात्री को ले जाता है। तो यहाँ, सांसारिक कहानी में स्वर्गीय अर्थ निहित है, अगर आप चाहें तो।

या यदि आप पेंट में हैं, तो वाहन तेल या लेटेक्स बेस है जो रंग को ले जाता है और इसे दीवार पर चिपका देता है। तो, एक वाहन, कहानी, स्वर, कहानी का अर्थ क्या है, और फिर समानता के एक या अधिक बिंदु, जो कि सांसारिक कहानी और स्वर्गीय अर्थ के बीच आप जो समानताएँ बना सकते हैं। यीशु के लगभग सभी दृष्टांत वही हैं जिन्हें हम समीकरण की समानताएँ कहते हैं।

यानी, अगर आप चाहें तो यह इसके बराबर है। आइए उनमें से कुछ पर नज़र डालें। मैंने किंग लियर, एक्ट 4, सीन 1, लाइन 37 में शेक्सपियर के एक उदाहरण से शुरुआत की।

लीयर शिकायत कर रहा है: जैसे मक्खियाँ बेलगाम लड़कों के लिए होती हैं, वैसे ही हम देवताओं के लिए हैं। तो अगर आप चाहें तो यही वाहन है। खैर, यह वास्तव में दोनों ही हैं।

ये दो समानताएँ हैं। यहाँ पर शरारती लड़के हैं, जिसका प्रारंभिक अंग्रेजी में अर्थ है शरारती लड़के या ऐसा ही कुछ। और जिस तरह से वे मक्खियों के साथ व्यवहार करते हैं वह देवताओं द्वारा मनुष्यों के साथ किए जाने वाले व्यवहार के समान है।

और वह वास्तव में लाइन के आखिरी हिस्से में इसकी व्याख्या करता है। वे हमें अपने मनोरंजन के लिए मारते हैं। ये लड़के मजे के लिए मक्खियों को मारते हैं।

देवता मजे के लिए मनुष्यों को मारते हैं। खैर, आप देख सकते हैं कि यह कोई ईसाई विश्वदृष्टि नहीं है जिसे शेक्सपियर इस मामले पर लीयर के दृष्टिकोण के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। तो, टेनर, देवताओं का मनुष्यों से संबंध, वाहन, जिस तरह से लड़के मक्खियों के साथ व्यवहार करते हैं, अगर आपको पसंद है।

समानता का बिंदु, वे हमें अपने मनोरंजन के लिए मारते हैं, स्पष्ट रूप से कहा गया है। तो, समानता का बिंदु, यदि आप बिंदु को इस तरह से बनाने की कोशिश करते हैं कि यह सादृश्य में दोनों पक्षों के लिए काम करता है, तो यह इस संबंध में है कि इन लोगों के साथ कैसा दुर्व्यवहार किया जाता है, यदि आप चाहें तो। तो, देवता मनुष्यों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं, लड़के मक्खियों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं, आदि।

और फिर वह दिखाता है कि इसे कैसे आरेखित किया जा सकता है, और इसे मौखिक रूप से समझना आसान नहीं है, इसलिए मैं इसे यहीं छोड़ता हूँ। यीशु के दृष्टांतों, गेहूँ और खरपतवारों से एक उदाहरण मत्ती 13 है। कहानी में, एक आदमी अपने खेत में एक अच्छा बीज बोता है।

उसका दुश्मन उनके ऊपर खरपतवार बो देता है। जब उस आदमी के दासों को पता चला कि क्या हुआ है, तो वे खरपतवार उखाड़कर तुरंत स्थिति को ठीक करना चाहते थे। लेकिन मालिक ने उन्हें फसल आने तक इंतज़ार करने को कहा।

तो यही कहानी है, यही वाहन है। इसका सार क्या है? खैर, यीशु हमें बताते हैं, स्वर्ग का राज्य ऐसा ही है। तो, यीशु का विषय स्वर्ग का राज्य है।

और वह हमें इसके कुछ विशेषताओं के बारे में बता रहा है, मैं कहूँगा, भविष्य का इतिहास उस समय से जब यीशु ने लिखा था। इस आदमी द्वारा अच्छे बीज बोने और दुश्मन द्वारा बुरे बीज बोने, और इसे उखाड़ने की खोज और इच्छा, और मालिक द्वारा इसे फसल आने तक स्थगित करने, आदि के बीच एक सादृश्य होने जा रहा है। तो, वाहन ऊपर की कहानी है।

यीशु स्वर्ग के राज्य, एक स्वर्गीय विषय के बारे में बता रहे हैं, एक सांसारिक कृषि कहानी के माध्यम से जिसमें एक दुश्मन अपने पड़ोसी की फसल को खरपतवार से बर्बाद करके उसे परेशान करने का प्रयास करता है। समानता के बिंदु: इसमें उनमें से कई हैं, है न? सिर्फ एक नहीं। हमें रुककर सोचना होगा कि वे क्या हो सकते हैं।

खैर, मालिक दुश्मन के लिए वैसा ही है जैसा परमेश्वर शैतान के लिए है। या आप मालिक के कामों के बीच एक सादृश्य बना सकते हैं और जैसे मालिक अपने खेत में अच्छे बीज बोता है, वैसे ही परमेश्वर दुनिया में राज्य के पुत्रों को डालता है। समानता का एक और बिंदु यह है कि जैसे दुश्मन खेत में खरपतवार के बीज डालता है, वैसे ही शैतान अपने लोगों को उसी दुनिया की स्थिति में डालता है।

आप वास्तव में इस तरह की बहुत सी चीजें बना सकते हैं, लेकिन संभवतः आप चार या पाँच महत्वपूर्ण समानताएँ पाएँगे जो यहाँ चल रही हैं। तो मूल रूप से यही वह तस्वीर है जो हमारे पास है। इस तरह एक दृष्टांत एक सादृश्य के रूप में कार्य करता है।

मैं आपको सिनॉप्टिक्स में दृष्टांतों का एक त्वरित विवरण देने जा रहा हूँ, और मैं यहाँ जॉन को भी शामिल करूँगा ताकि आप इसका अनुभव कर सकें। यदि आप चाहें तो वे अपनी सामग्री के संदर्भ में संरचित हैं। तो, हम सबसे पहले क्राइस्टोलॉजिकल दृष्टांतों से शुरुआत करेंगे।

ऐसे बहुत से उदाहरण हैं। मत्ती 12, मरकुस 3 और लूका 11 में बलवान व्यक्ति को हराया गया। और आपको यहाँ एक उदाहरण मिल गया है: जैसे एक बलवान व्यक्ति को केवल उससे अधिक बलवान व्यक्ति द्वारा ही हराया जा सकता है, वैसे ही शैतान को केवल उससे अधिक बलवान व्यक्ति द्वारा ही हराया जा सकता है: निहितार्थ, यीशु।

ठीक है, तो यहाँ इस दुष्टात्मा-निवारण में क्या हो रहा है, अगर आप चाहें, तो बताइए? या मत्ती 21:14-22 में अस्वीकृत पत्थर।

वहाँ, यीशु वास्तव में भजन संहिता के पुराने नियम के एक अंश, भजन 118 पर टिप्पणी कर रहे हैं, जो मेरा मानना है कि है। निर्माण के लिए पत्थर को अस्वीकार कर दिया गया है। वही मुख्य आधारशिला बन गया है।

और वह अपने श्रोताओं पर छोड़ देता है कि वे यह समझें कि सादृश्य क्या है। लेकिन यीशु, अगर आप चाहें, तो यह अस्वीकृत पत्थर है। क्या इसे इसलिए अस्वीकृत किया गया है क्योंकि इसका आकार गलत है, यह वह आकार नहीं है जिसकी वे अपेक्षा करते हैं, या इस तरह की कोई बात अटकलबाजी होगी।

मेरा अनुमान यही है कि यह क्या है। इसके निर्माता उस समय यहूदी राज्य में मौजूद शक्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। और फिर भी, यह पत्थर वास्तुकार की योजना में मुख्य पत्थर बन जाता है।

यह मुख्य आधारशिला या शिखरशिला है। इस तरह की चीजों को संभालने के लिए कई तरीके सुझाए गए हैं। तो, यह एक मसीही दृष्टांत है। या जॉन 10 में भेड़ों का दरवाज़ा।

यीशु ही मार्ग है, सत्य है, जीवन है। वह भेड़शाला में जाने का मार्ग है या ऐसा ही कुछ। अच्छा चरवाहा भी उसी अंश में है।

यीशु, दाख की बारी का मालिक, क्षमा करें, जॉन 15, श्लोक 1 और 2 में दाख की बारी के मालिक का पिता। ये सभी मसीह संबंधी दृष्टांतों के उदाहरण होंगे। वे मुख्य रूप से इस बारे में हैं कि यीशु कौन है, अगर आप चाहें तो। खोया और पाया के दृष्टांत हैं।

और यह खोई हुई भेड़ है जो मत्ती 18 में पाई जाती है, लेकिन लूका 15 में भी। फिर, लूका 15 में, खोया हुआ सिक्का और खोया हुआ बेटा है। और वे सभी एक ही तरह की हरकतें कर रहे हैं।

फरीसी शिकायत कर रहे हैं कि यीशु इन सभी दुष्ट लोगों, वेश्याओं, कर वसूलने वालों और इस तरह की चीजों के बारे में चिंतित हैं। और यीशु मूल रूप से कहते हैं, ठीक है, अगर आपके पास 100 भेड़ें हैं, तो क्या आप चिंतित नहीं होंगे यदि एक खो जाए? और जब आप उसे पा लेंगे, तो क्या आप नहीं चाहेंगे कि आपके मित्र और पड़ोसी आपके साथ खुशियाँ मनाएँ? इसलिए परमेश्वर खोए हुए को खोज रहा है, और जब वह उसे पा लेता है, तो वह चाहता है कि आप उसके बारे में शिकायत करने के बजाय उसके साथ खुशियाँ मनाएँ। और फिर खोया हुआ सिक्का भी उसी तरह की हरकत करता है।

लेकिन अब एक महिला का उपयोग करके, खोया हुआ सिक्का। और फिर खोया हुआ बेटा और आप फरीसियों पर चुपके से हमला कर रहे हैं, और ये सब अब एक और चरित्र, गैर-खोया हुआ बेटा लाते हैं। और उसमें फरीसियों का रवैया है।

और मुझे लगता है कि यहाँ कोशिश यह है कि फरीसी खुद को वैसे ही देखें जैसे परमेश्वर उन्हें देखता है। वे ऐसा करते हैं या नहीं, उनमें से कितने लोग ऐसा करते हैं, हम नहीं जानते - खोया और पाया का दृष्टांत।

क्षमा और दया के दृष्टांत। निर्दयी सेवक, मत्ती 18, 21 से 35। वह व्यक्ति जिसने अपने स्वामी से इतनी दया प्राप्त की और फिर उस व्यक्ति पर दया नहीं करता जो उसका पैसा उधार लेता है।

दिहाड़ी मजदूर इस बात की शिकायत करते हैं कि वे पूरे दिन काम करते हैं, लेकिन इनमें से कुछ ने सिर्फ़ एक घंटा काम किया, वगैरह। इस तरह का विचार कि मैं अनुग्रह चाहता हूँ, लेकिन मैं नहीं चाहता कि किसी और को अनुग्रह मिले, और मैं निश्चित रूप से नहीं चाहता कि उनके पास मुझसे ज़्यादा हो, इस तरह की बात यहाँ छिपी हुई है। लूका 7 में दो कर्जदार। कौन सा कर्जदार उस साहूकार के प्रति ज़्यादा प्यार दिखाएगा जिसने उनके दोनों कर्ज माफ़ कर दिए? खैर, आप सोचिए कि जिस पर ज़्यादा कर्ज था।

और यीशु मूल रूप से कह रहे हैं, ठीक है, तुम जानते हो, शमौन, तुम सोचते हो कि तुम्हारे ऊपर एक छोटा सा कर्ज है, और तुम वैसा ही व्यवहार करते हो। लेकिन महिला सोचती है कि उस पर एक बड़ा कर्ज है, और वह वास्तव में ऐसा व्यवहार करती है जैसे कि उसका एक बड़ा कर्ज माफ कर दिया गया हो। वह वास्तव में माफ कर दी गई है, आदि।

इसलिए, लूका 17 में लाभहीन सेवक किसी तरह से उम्मीद करते हैं कि उनके साथ अब सेवक जैसा व्यवहार नहीं किया जाएगा, इत्यादि, क्योंकि उन्होंने ये काम किए हैं। और हमें यह याद दिलाने की कोशिश कर रहे हैं कि, कुछ अर्थों में, परमेश्वर के साथ हमारा रिश्ता एक स्वामी के दासों जैसा है, यही वह है जो हम उस व्यक्ति के प्रति ऋणी हैं। गुलामी रहित संस्कृति में शायद इसकी बहुत सराहना नहीं की जाती है, लेकिन यह मनुष्य के साथ परमेश्वर के रिश्ते की एक वास्तविक विशेषता को चित्रित करता है।

प्रार्थना पर दृष्टांत। बेटा रोटी मांगता है, मत्ती 7, लूका 11। आधी रात को दोस्त, लूका 11। अन्यायी न्यायाधीश, लूका 18। कुल मिलाकर, परमेश्वर हमें वे उपहार देता है जिनकी हमें वास्तव में आवश्यकता है, न कि वे जो हम सोचते हैं कि हम चाहते हैं। परमेश्वर प्रार्थना में दृढ़ता का पुरस्कार देगा।

और अगर यह विधवा दृढ़ रही और उसे वह मिल गया जो वह चाहती थी, भले ही न्यायाधीश अन्यायी था, तो जब हम किसी चीज़ में हार मान लेते हैं तो हम परमेश्वर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे होते हैं? अगर आप चाहें तो हम परमेश्वर के साथ अन्यायी न्यायाधीश से भी बदतर व्यवहार कर रहे होते हैं। परिवर्तन के दृष्टांत। पुराने वस्त्र पर नया पैच, या पुरानी मदिरा की बोतलों में नई शराब, आदि, यह दिखाते हुए कि यहाँ कुछ नया आया है, और सुसमाचार में पुनर्जन्म, और इस तरह की चीज़ें।

भण्डारीपन के बहुत से दृष्टान्त। दीपक और बुशेल का दृष्टान्त। दीपक किस लिए है? यह कमरे को रोशन करने के लिए है।

आप इस पर कोई बोझ नहीं डालते। कुटिल व्यापार प्रबंधक, जो, हम क्या कहें, अपने मालिक के देनदारों को उनके ऋणग्रस्तता को कम करके राहत देता है, आदि, और हमें कुटिल व्यापार प्रबंधक से समान और भिन्न दोनों होना है - विश्वासघाती ऊपरी नौकर, जो निचले नौकरों पर प्रभुत्व जमाना शुरू कर देता है।

प्रतिभा और पाउंड के दृष्टांत बहुत समान हैं। हमें सौंपी गई संपत्ति और उसका उचित उपयोग करने की हमारी जिम्मेदारी, और उसे सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करने, उसे छिपाने आदि का खतरनाक प्रलोभन, वास्तव में काम करने और जोखिम उठाने के बजाय। दिहाड़ी मजदूरों का दृष्टांत जो हमने पहले कहीं सुना था, वह भी क्षमा और दया का दृष्टांत था, लेकिन साथ ही प्रबंधन का भी।

दाख की बारी के मजदूरों का दृष्टांत, ये लोग जो दाख की बारी को अपने लिए लेना चाहते हैं और वारिस को मारने के लिए तैयार हैं, ठीक वैसे ही जैसे कुछ यहूदी नेता जो इसराइल को अपने

तरीके से चलाना चाहते हैं, मसीहा के प्रकट होने पर उसे मारने के लिए तैयार हैं। आमंत्रण और अस्वीकृति के दृष्टांत। बाज़ार में बच्चे और कुछ जिद्दी, चिड़चिड़े बच्चे जो अंतिम संस्कार नहीं खेलते और शादी नहीं खेलते, आदि, और यीशु और जॉन बैपटिस्ट जॉन की तरह हैं जो अंतिम संस्कार की पेशकश करते हैं और यीशु शादी की पेशकश करते हैं, और भीड़ चिड़चिड़े बच्चे हैं जो किसी भी तरह से नहीं जाते हैं।

दो बेटों का दृष्टांत। एक जो कहता है कि वह पिता के खेत में काम करने नहीं जाएगा, लेकिन फिर पश्चाताप करता है और करता है, और दूसरा जो कहता है कि वह जाएगा, लेकिन करता नहीं है, कर संग्रहकर्ताओं और वेश्याओं के बीच अंतर जो विद्रोही होते हैं, लेकिन पश्चाताप करते हैं, और फरीसी और ऐसे लोग जो दावा करते हैं कि वे वास्तव में परमेश्वर की इच्छा पूरी कर रहे हैं, लेकिन वे कभी ऐसा नहीं करते हैं। महान भोज और राजा के बेटे का विवाह।

हम यहाँ राजा के बेटे की शादी के बारे में बात करने जा रहे हैं, इसलिए मैं इसके बारे में और कुछ नहीं कहूँगा। हालाँकि, दोनों ही एक ऐसे विषय का उपयोग करते हैं जो मसीहाई भोज के विचार के समानांतर है। सुसमाचार की पेशकश एक भोज के लिए एक निमंत्रण की तरह है और भोज को अस्वीकार करने में आमंत्रित लोगों में से कुछ की तर्कहीनता है।

दूसरे आगमन के दृष्टांत। शव में गिद्ध। आप कैसे बता सकते हैं कि जंगल में शव कहाँ है? खैर, आप एक या दो मील दूर से ही ऊपर चक्कर लगाते गिद्धों को देख सकते हैं।

आपको शव के पास होने की ज़रूरत नहीं है। इसलिए, जब यीशु वापस आएगा, तो आपको पता चल जाएगा। आपको ठीक उसी जगह खड़े होने की ज़रूरत नहीं है जहाँ वह आता है।

अंजीर का पेड़ गर्मी के मौसम के अंत से पहले आने वाले संकेतों की सूचना देता है, जैसे कि अंजीर के पेड़ पर नए पत्ते और कलियाँ गर्मी के आने की सूचना देती हैं। गृहस्वामी और चोर। अगर आप चाहें तो सावधान रहने का महत्व, या यीशु की वापसी आपको अनजाने में ही पकड़ लेगी।

द्वारपाल का दृष्टांत, वह व्यक्ति जिसे मालिक के दावत से लौटने पर दरवाज़ा खोलने के लिए उठना पड़ता है, वगैरह। लूका 12 में प्रतीक्षारत सेवक, कुछ हद तक समान। मत्ती 25 में बुद्धिमान और मूर्ख कुँवारियाँ, जहाँ बुद्धिमान कुँवारियाँ अपने साथ अतिरिक्त जैतून का तेल रखती हैं, ताकि अगर चीज़ें अपेक्षा से ज़्यादा समय लें, तो वे तैयार रहें, और मूर्ख कुँवारियाँ अपने साथ कुछ भी अतिरिक्त नहीं ले जाती हैं, और इसमें अपेक्षा से ज़्यादा समय लगता है, और जब समय आता है तो वे तैयार नहीं होती हैं।

खैर, चेतावनी और न्याय के दृष्टांतों की एक बड़ी सूची है। जॉन द बैपटिस्ट की जड़ों पर कुल्हाड़ी के दृष्टांत में एक किसान को पेड़ काटने के लिए तैयार दिखाया गया है, और वह एक रुख अपना रहा है, और आप में से जिन्होंने कुल्हाड़ी का सही तरीके से इस्तेमाल किया है, वे कम से कम जानते हैं कि आप कुल्हाड़ी की धार को उस जगह पर रखते हैं जहाँ आप शुरू में अपना रुख सही रखने के लिए वार करना चाहते हैं, अपनी दूरी सही रखने के लिए, और फिर आप इसे

वापस खींचते हैं और वार करते हैं। यीशु कहते हैं कि कुल्हाड़ी पहले से ही जड़ों पर रखी हुई है, वार करने के लिए तैयार है, और जॉन द बैपटिस्ट यह कहते हैं: आपको तैयार रहने की ज़रूरत है।

यूहन्ना ने हमें मत्ती 3:12 में यह भी बताया है कि एक व्यक्ति अनाज को फटकने के लिए आता है, और उसका फटकने वाला पंखा उसके हाथ में है, इसलिए वह गेहूँ को भूसे से अलग करने वाले न्याय को पूरा करने वाला है। हमारे पास बेस्वाद नमक का दृष्टांत, आग, नमक और शांति का दृष्टांत, अदालत से बाहर समझौता करने की यीशु की सलाह, शरीर की रोशनी के रूप में आँख की तस्वीर, जिस तरह से आप देखते हैं वह तब होता है जब आपकी आँख काम कर रही होती है, और इसलिए आध्यात्मिक रूप से हमें आध्यात्मिक चीज़ों को देखने में सक्षम होने की आवश्यकता होती है, आदि। कुछ हद तक इसी तरह, अगर आप चाहें तो मार्क 4 और ल्यूक 6 में अंधे द्वारा अंधे का नेतृत्व करने का विचार।

हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जो भी हमारा नेतृत्व कर रहा है, उसे पता हो कि क्या हो रहा है। अपनी आँख की मरम्मत करने का विचार, अगर आपकी आँख में पहले से ही लट्टा है तो उसमें से तिनका निकालना। बुद्धिमान और मूर्ख बिल्डर, मूर्ख बिल्डर, बिना उचित नींव के निर्माण करते हैं, और उनका काम धुल जाता है।

बुद्धिमान बिल्डर्स चट्टान पर निर्माण करते हैं, और यह यीशु के पहाड़ी उपदेश या मैदान पर उपदेश के अंत में आता है, और मूल रूप से यह कहते हुए कि जो लोग मेरी कही गई बातों को दिल से लेते हैं और उसका पालन करते हैं, वे बुद्धिमान बिल्डर्स हैं, आदि। मैथ्यू 12 और ल्यूक 11 में खाली घर, जब किसी व्यक्ति से राक्षस को निकाल दिया जाता है, तो यह ऐसा है, हमें क्या कहना चाहिए, घर से अवैध लोगों को निकाल दिया गया है, यह अब खाली है, आपको इसे ठीक करने और इसकी रखवाली करने की आवश्यकता है ताकि यह लोगों द्वारा फिर से न भर जाए। मुझे लगता है कि यह राष्ट्र के लिए एक चेतावनी है कि यीशु के आने के साथ जो अच्छी चीज़ें हुई हैं, उन्हें प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता है।

मेरे पिता द्वारा नहीं लगाया गया हर पौधा जड़ से उखाड़ दिया जाएगा, जो एक और तरह की चेतावनी और न्याय का दृष्टांत है। बंजर अंजीर का पेड़ लूका 13 में एक दृष्टांत है, और आप इसे अन्यत्र एक अभिनय दृष्टांत के रूप में याद करते हैं, उसी तरह की बात। टावर बनाने वाला सोचता है कि किसी चीज़ की कीमत क्या होगी, एक संकल्प लेता है, और देखता है कि क्या आपके पास उस स्थिति में भी संसाधन हैं।

राजा का युद्ध में जाना भी इसी तरह का दृष्टांत है। क्या केवल 10,000 सैनिकों वाला राजा 20,000 सैनिकों वाले राजा के विरुद्ध युद्ध में जाएगा? खैर, उसे कम से कम इस बारे में सोचना चाहिए, कि क्या वह घात लगाकर हमला कर सकता है या ऐसा कुछ कर सकता है जिससे शायद संख्या में बदलाव हो और वह किसी भी तरह जीत जाए, और अगर वह अच्छा नहीं दिखता है, तो उसे युद्ध लड़ने और नष्ट होने के बजाय शांति स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए। दुष्ट किरायेदार किसानों का दृष्टांत जो किराया नहीं देना चाहते हैं और वारिस को मारने जा रहे हैं, अगर आप चाहें तो।

भेड़ और बकरियों का दृष्टांत, कि एक चरवाहा अपनी भेड़ों और बकरियों को अलग करता है। इसलिए, यीशु, अपनी वापसी पर, उन लोगों को अलग करने जा रहा है जो वास्तव में उसके हैं और जो उसके नहीं हैं। हमारे पास राज्य के दृष्टांत हैं, और बोनो वाले का दृष्टांत, खरपतवार, उगते हुए बीज, सरसों के बीज, खमीर, खजाना, मोती, महाजाल, और फिर उनके अंत में, पुराने और नए खजाने जो गृहस्वामी अपने घर से बाहर लाता है।

ये हमें यीशु के राज्य की प्रकृति के बारे में कुछ बता रहे हैं, और मेरे पास इस पर एक पावरपॉइंट है जो कुछ विस्तार से बताता है और सुझाव देता है कि इस पूरी चीज़ में एक क्रम प्रतीत होता है, कि हम रोपण, वृद्धि, कटाई आदि को देख रहे हैं, कि हम सुसमाचार की प्रगति के बारे में कुछ देख रहे हैं, संभवतः विभिन्न समाजों में सुसमाचार की विशिष्ट प्रगति, और वहाँ किस तरह की चीज़ें होती हैं। मैंने लूका के संबंध में पहले से ही यीशु के उदाहरणात्मक दृष्टांतों के बारे में एक या दो शब्द कहे हैं, और मैं आपके लिए उन्हें फिर से सूचीबद्ध करने के अलावा और कुछ नहीं कहूँगा। अच्छा सामरी, अमीर मूर्ख, भोज में सबसे निचली सीटें, रात्रिभोज के निमंत्रण, आप अपने भोज में किसे आमंत्रित करते हैं, अमीर आदमी और लाज़र, और फरीसी और कर संग्रहकर्ता, ये सब लूका 10-18 में हैं।

फिर हमारे पास एक ऐसी श्रेणी है जिसके बारे में हमने अभी तक कुछ भी नहीं कहा है, और वे अभिनय किए गए दृष्टांत हैं, जहाँ व्यक्ति कुछ कहने के बजाय, एक या दो संकेत दे सकता है। वह कुछ करता है, और यह कुछ काफी असामान्य है। इसलिए, अधिकांश लोग सोचते हैं कि यीशु द्वारा अंजीर के पेड़ को शाप देना काफी असामान्य है।

वह किस बारे में है? क्या वह अधीर है या कुछ और? खैर, नहीं, यह एक अभिनय दृष्टांत है। इसका मतलब यह नहीं है कि यीशु वास्तव में भूखे नहीं थे और निराश नहीं थे कि पेड़ पर अंजीर नहीं थे, लेकिन पेड़ पर साल के समय पत्ते थे, इसलिए पत्तियों की उपस्थिति से संकेत मिलना चाहिए कि उस पर कुछ शुरुआती अंजीर होने चाहिए। इसमें यह नहीं था, और यह मूल रूप से इस्राएल के प्रति ईश्वर की प्रतिक्रिया का एक अभिनय दृष्टांत है जो धर्मी होने का दावा करता है लेकिन इसके फल नहीं दिखाता है, अगर आप चाहें तो।

मंदिर की सफाई एक बहुत ही समान दृष्टांत है, और वास्तव में, वे कुछ हद तक आपस में जुड़े हुए हैं, कि अंजीर के पेड़ का श्राप और उसका क्या परिणाम होता है, मंदिर की सफाई के साथ ओवरलैप होता है। मंदिर की सफाई में, यीशु मंदिर के दुरुपयोग पर अपना गुस्सा व्यक्त कर रहे हैं, और एक अभिनय दृष्टांत, मुझे लगता है, न केवल मंदिर के दुरुपयोग के प्रति ईश्वर के रवैये के बारे में, बल्कि उनके विशेषाधिकारों के दुरुपयोग के बारे में भी, यदि आप चाहें तो। और जैसा कि मैंने एक बार उल्लेख किया था, इस श्रृंखला में पहले कहीं, मुझे लगता है कि यह मलाकी के विचार को उठाता है कि जिस प्रभु की आप तलाश कर रहे हैं वह अचानक अपने मंदिर में आ जाएगा, जो अपने आने के दिन का पालन कर सकता है, आदि।

मंदिर में 12 साल की उम्र में यीशु का दिखना शायद किसी तरह का अभिनय किया गया दृष्टांत है। वह अपने बारे में कुछ कह रहा है कि वह कौन है। उसका पिता, उसका असली पिता, ईश्वर है, और इसलिए आप उसे अपने पिता के घर में देखने की उम्मीद करेंगे, आदि।

यीशु का बपतिस्मा संभवतः एक अभिनय दृष्टांत भी है। यूहन्ना, जो यीशु को बचपन से जानता था और निश्चित रूप से उसके चरित्र के बारे में कुछ जानता था, ने कहा, मुझे तुम्हारे द्वारा बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है। यीशु कहते हैं, आओ हम ऐसा करें ताकि सारी धार्मिकता पूरी हो।

मुझे लगता है कि पिछली सदी के अधिक कल्पनाशील सुधारवादी धर्मशास्त्रियों में से एक, जिसका नाम इस समय मेरे दिमाग से गायब हो गया है, मूल रूप से सुझाव देते हैं कि बपतिस्मा न्याय के साथ-साथ शुद्धिकरण, क्रोध को बाहर निकालने या ईश्वर के न्याय से अभिभूत होने आदि का एक चित्र है। यीशु सभी धार्मिकता को पूरा करने के लिए ईश्वर के न्याय को अपने ऊपर आने दे रहा है। उसे शुद्ध होने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन यदि आप चाहें तो ईश्वर का क्रोध उस पर डाला जाएगा।

मुझे लगता है कि सब्त के दिन यीशु का चंगा करना एक तरह का, बार-बार दोहराया गया दृष्टांत है, और मार्क 3:1-6 में की गई टिप्पणी इस ओर इशारा करती है कि यह यीशु के बारे में कुछ बता रही है, ठीक है, सब्त के बारे में कुछ बता रही है। सब्त छुटकारे के बारे में है, और इसलिए चंगा करना छुटकारे के बारे में है। पिता सब्त के दिन काम कर रहे हैं, और मैं भी। और मनुष्य का पुत्र, जो दानियेल के अंश का एक संकेत है, मुझे लगता है, सब्त का भी प्रभु है, यहाँ तक कि सब्त का भी।

तो, वह वह है जो इन सभी चीजों पर कानून बनाने जा रहा है। प्राचीन काल के लोगों ने उसे एक शाश्वत, सार्वभौमिक साम्राज्य बनाने का आदेश दिया है। मिट्टी से उपचार करना एक दिलचस्प बात है।

क्या आपको याद है कि यीशु द्वारा मिट्टी कातने और उसे उसकी आँखों पर लगाने से उस व्यक्ति की दृष्टि कैसे ठीक हो गई थी? मुझे लगता है कि यह उत्पत्ति में आदम के निर्माण का एक संकेत है, जहाँ हिब्रू क्रिया मिट्टी को ढालने के लिए क्रिया है। उसने उसे आकार दिया, जैसा कि वे कहते हैं, उसने धरती की धूल ली और उससे आदम को बनाया।

और वहाँ जो शब्द बना, किंग जेम्स, वह वास्तव में मिट्टी, मिट्टी के बर्तन और उस तरह की चीजों से बनाने के लिए क्रिया है। इसलिए, मुझे लगता है कि हम वहाँ इस पर विचार कर रहे हैं और यीशु कौन है, इसके बारे में कुछ बता रहे हैं। जॉन 7:5, 3:8, 11 में ज़मीन पर लिखने के बारे में हमें नहीं बताया गया है।

और यद्यपि उस विशेष घटना के बारे में एक शाब्दिक प्रश्न है, मुझे लगता है कि यह एक वास्तविक घटना है जो मौखिक परंपरा से जानी जाती है और इसे इसलिए शामिल किया गया क्योंकि इसे अनदेखा करना बहुत अच्छा था या कुछ और। और यह संभवतः पत्थर की पट्टियों पर

अपनी उंगलियों से लिखने वाले देवता को संदर्भित करता है। यह एक अनुमान है, लेकिन इनमें से बहुत सी चीजें मूल रूप से लोगों को सोचने के लिए प्रेरित करती हैं, ठीक वैसे ही जैसे कहावतें हैं।

यह किस बारे में है? खैर, इसके बारे में थोड़ा सोचें और इसे पलटकर देखें, और आप कुछ सीखेंगे, भले ही आपको ठीक से समझ न आए कि यह किस बारे में है। विजयी चोट, मुझे लगता है, एक दृष्टांत है। यीशु का अभिषेक उनके मंत्रालय में कई बार होता है।

वह अभिषिक्त जन है, इसलिए ये लोग उसका अभिषेक करते हैं, हालाँकि वे इसके बारे में सोचते भी नहीं हैं। उसके पैर धोना एक ऐसा काम था जिसे आम तौर पर सबसे निचले स्तर के दास को सौंपा जाता था। और यीशु सबसे निचले स्तर के दास की जगह लेता है क्योंकि वह यही करने जा रहा है।

वह हमारे लिए हमारी सज़ा लेने जा रहा है, आदि। तो, ये एक तरह से दृष्टांतों के काम करने के तरीके का दौरा है। अधिकांश दृष्टांत, मुझे लगता है कि मैंने नए नियम के सभी दृष्टांतों को उस विशेष सूची में शामिल करने की कोशिश की।

मुझे लगता है कि हम यहाँ रुकेंगे और वापस आकर एक विशेष उदाहरण लेंगे। हम मत्ती 22, आयत 1-14 में विवाह भोज के दृष्टांत को देखेंगे, और आपको यह देखने का मौका मिलेगा कि इस विशेष मामले में दृष्टांत कैसे काम करते हैं। ठीक है, यह 11 पर है, तो चलिए यहाँ आते हैं। और हमें अगले भाग में इस पर चर्चा करनी चाहिए।